सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

दिनांक - 15.12.2022
समय मध्याह्ण - 12:00 बजे से
स्थान - योग साधना केन्द्र

उपस्थिति

1- प्रो. हरेराम त्रिपाठी, कुलपति- अध्यक्ष

2- प्रो. हीरक कान्ति चक्रवर्ती
3- प्रो. रमेश प्रसाद
4- प्रो. राजनाथ
5- डॉ. दिनेश कुमार गर्ग
6- डॉ. दिव्यचेतन ब्रह्मचारी
7- प्रो. सीमा सिंह
8- प्रो. योगेश चन्द्र दुबे
9- डॉ. अरूण कुमार राय
10- डॉ. सत्येन्द्र कुमार यादव
11- वित्ताधिकारी
12- कुलसचिव - सचिव

मंगलाचरण - डॉ. दिनेश कुमार गर्ग

सर्वप्रथम कुलपति महोदय ने माननीय कुलाधिपति महोदया द्वारा मनोनीत सदस्यों सहित समस्त सदस्यों का स्वागत एवं अभिनन्दन करते हुए कार्यपरिषद् की कार्यवाही प्रारम्भ करने की अनुमति प्रदान की।

कार्यक्रम संख्या-1- कार्यपरिषद् की बैठक दिनांक 28.03.2022 की कार्यवाही की पुष्टि।

विचार-विमर्श के अनन्तर कार्यपरिषद् की विगत बैठक दिनांक 28.03.2022 के कार्यवाही की सम्पुष्टि की।

कार्यक्रम संख्या-2- कार्यपरिषद् की बैठक दिनांक 28.03.2022 में लिये गये निर्णयों के क्रियान्वयन की सूचना।

कार्यपरिषद् क्रियांवयन रिर्पोट से अवगत होते हुए कृत कार्यवाही पर अपनी स्वीकृति प्रदान की।

कार्यक्रम संख्या-3- वित्त समिति की बैठक दिनांक 23.08.2022 एवं दिनांक 13.12.2022 की संस्तुतियों पर विचार।

कार्यपरिषद् के समक्ष वित्त समिति की बैठक दिनांक 28.03.2022 एवं दिनांक 13.12.2022 की अधोलिखित संस्तुति विचारार्थ प्रस्तुत किया गया-

	वित्त समिति की बैठक
-	दिनांक : 23.08.2022 समय : अपराह्न 05.00 बजे स्थान : कुलपति महोदय का कार्यालयीय कक्ष
	उपस्थिति
(1) प्रो० हरेराम त्रिपाठी, कुलपति	— अध्यक्ष
(2) क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी वाराणसी।	— सदस्य

कार्यक्रम संख्या-4- विद्या परिषद् की बैठक दिनांक 14.12.2022 की संस्तुतियों पर विचार।

कार्यपरिषद् के समक्ष **विद्या परिषद् की बैठक दिनांक 14.12.2022** की अधोलिखित संस्तुति प्रस्तुत किया गया-

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
विद्या परिषद् की बैठक

दिनांक - 14.12.2022
समय पूर्वाह्न - 11.00 बजे से
स्थान - योग साधना केन्द्र

उपस्थिति
1- प्रो. हरेराम त्रिपाठी, कुलपति- अध्यक्ष

2-	प्रो. अमित कुमार शुक्ल	3-	डॉ. विजय कुमार पाण्डेय
4-	प्रो. सुधाकर मिश्र	5-	प्रो. हरिशंकर पाण्डेय
6-	प्रो. हीरक कान्ति चक्रवर्ती	7-	प्रो. महेन्द्र पाण्डेय
8-	प्रो. राघवेन्द्र जी दुबे	9-	प्रो. कमलाकान्त त्रिपाठी
10-	प्रो. रामकिशोर त्रिपाठी	11-	प्रो. हरिप्रसाद अधिकारी
12-	प्रो. राजनाथ	13-	प्रो. रामपूजन पाण्डेय
14-	प्रो. रमेश प्रसाद	15-	प्रो. ललित कुमार चौबे
16-	प्रो. शम्भुनाथ शुक्ल	17-	प्रो. शैलेश कुमार मिश्र
18-	प्रो. जितेन्द्र कुमार	19-	डॉ. दिनेश कुमार गर्ग
20-	डॉ. विशाखा शुक्ला	21-	डॉ.रविशंकर पाण्डेय
22-	डॉ. विजय कुमार शर्मा	23-	प्रो. कृष्णकान्त शर्मा
24-	कुलसचिव-सचिव		

मंगलाचरण- डॉ.विजय कुमार शर्मा

सर्वप्रथम कुलपति महोदय ने सभी सदस्यों का अभिनन्दन करते हुए विद्यापरिषद् की कार्यवाही प्रारम्भ करने की अनुमति प्रदान की।

कार्यक्रम संख्या -1- विद्यापरिषद् की बैठक दिनांक 11.11.2021 एवं 02.01.2022 की कार्यवाही की पुष्टि।

विचार-विमर्श के अनन्तर विद्या परिषद् ने परिषद् की विगत बैठक दिनांक 11.11.2021 एवं 02.01.2022 की सम्पुष्टि की।

कार्यक्रम संख्या -2- विद्यापरिषद् की बैठक दिनांक 11.11.2021 एवं 02.01.2022 में लिये गये निर्णयों के क्रियान्वयन की सूचना।

विचार-विमर्श के अनन्तर विद्या परिषद् ने परिषद् की विगत बैठक दिनांक 11.11.2021 एवं 02.01.2022 के क्रियांवयन रिपोर्ट से अवगत होते हुए कृत कार्यवाही पर अपनी स्वीकृति प्रदान की।

कार्यक्रम संख्या -3- विभिन्न संकाय/अध्ययन बोर्डो की संस्तुति पर विचार।

i. विद्या परिषद् के समक्ष **वेद, धर्मशास्त्र, ज्योतिष एवं व्याकरण विभागों** के अध्ययन बोर्ड द्वारा प्रस्तुत पाठ्यक्रम संशोधन सम्बन्धी प्रस्ताव जिस पर **वेदवेदांग संकाय** बोर्ड की बैठक दिनांक 13.12.2022 को संस्तुति प्राप्त है, को विचारार्थ विद्या परिषद् में प्रस्तुत किया गया-

ii. विद्या परिषद् के समक्ष **साहित्य, पुराणेतिहास, प्राचीन राजशास्त्र एवं अर्थशास्त्र** विभागों के अध्ययन बोर्ड द्वारा प्रस्तुत पाठ्यक्रम संशोधन सम्बन्धी प्रस्ताव जिस पर **साहित्य संस्कृति संकाय** बोर्ड की बैठक दिनांक 13.12.2022 को संस्तुति प्राप्त है, को विचारार्थ विद्या परिषद् मे प्रस्तुत किया गया-

iii. विद्या परिषद् के समक्ष **न्याय-वैशेषिक, साङ्ख्ययोगतन्त्रागम, वेदान्त एवं तुलनात्मक धर्म दर्शन** विभागों के अध्ययन बोर्ड द्वारा प्रस्तुत पाठ्यक्रम संशोधन सम्बन्धी प्रस्ताव जिस पर **दर्शन संकाय बोर्ड** की बैठक दिनांक 13.12.2022 को संस्तुति प्राप्त है, को विचारार्थ विद्या परिषद मे प्रस्तुत किया गया-

iv. विद्या परिषद् के समक्ष **बौद्ध दर्शन, जैन दर्शन, प्राकृत एवं जैनागम, संस्कृत विद्या एवं पालि एवं थेरवाद** विभागों के अध्ययन बोर्ड द्वारा प्रस्तुत पाठ्यक्रम संशोधन सम्बन्धी प्रस्ताव जिस पर **श्रमण विद्या संकाय बोर्ड** की बैठक दिनांक 08.12.2022 को संस्तुति प्राप्त है, को विचारार्थ विद्या परिषद् मे प्रस्तुत किया गया-

v. विद्या परिषद् के समक्ष **आधुनिक भाषा एवं भाषाविज्ञान, सामाजिक विज्ञान, शिक्षाशास्त्र, विज्ञान एवं ग्रंथालय विज्ञान** विभागो के अध्ययन बोर्ड द्वारा प्रस्तुत पाठ्यक्रम संशोधन सम्बन्धी प्रस्ताव जिस पर **आधुनिक ज्ञान विज्ञान संकाय बोर्ड** की बैठक की संस्तुति प्राप्त है, को विचारार्थ विद्या परिषद् में प्रस्तुत किया गया-

विद्यापरिषद् ने विचार-विमर्श के अनन्तर सर्वसम्मति से अध्ययन बोर्ड/संकाय बोर्ड द्वारा संस्तुत पाठ्यक्रम संशोधन पर अपनी स्वीकृति प्रदान की।

साथ ही विद्या परिषद् के समक्ष राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अन्तर्गत शास्त्रीय प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर हेतु पाठ्यक्रम समीक्षा समिति की बैठक दिनांक 06.12.2022 की अधोलिखित संस्तुति को प्रस्तुत किया गया-

आज दिनांक 06.12.2022 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अन्तर्गत शास्त्री प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर हेतु पाठ्यक्रम समीक्षा समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में अधोलिखित महानुभाव उपस्थित हुये।

1. प्रो0 रामकिशोर त्रिपाठी– अध्यक्ष
2. प्रो0 हरिशंकर पाण्डेय– सदस्य
3. प्रो0 शैलेश कुमार मिश्र– सदस्य
4. डॉ0 रविशंकर पाण्डेय– सदस्य
5. डॉ0 राजा पाठक– सदस्य
6. डॉ. मधुसूदन मिश्र– सदस्य
7. डॉ0 ज्ञानेन्द्र सापकोटा–सदस्य
8. डॉ0 नितिन आर्य– सदस्य
9. डॉ0 कुप्पा श्री गुरु विल्वेश– सदस्य

समिति ने सम्यक् विचारोपरान्त शास्त्री प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर हेतु अधोलिखित प्रश्नपत्रों की संरचना प्रस्तुत किया।

1. अनिवार्य पत्र (संस्कृत भाषा प्रशिक्षण और संस्कृत वांगमय परिचय)– 6 क्रेडिट
2. अनिवार्य पत्र (काव्य)–6 क्रेडिट
3. अनिवार्य हिन्दी–6 क्रेडिट
4. मुख्य विषय (चतुर्थ पत्र)–6 क्रेडिट
5. मुख्य विषय (पंचम पत्र)–6 क्रेडिट
6. आधुनिक विषय–6 क्रेडिट
7. संगणक अनुप्रयोग–6 क्रेडिट
8. अंग्रेजी–6 क्रेडिट
9. विद्यार्थी 9वें पत्र के रूप में अतिरिक्त विषय के रूप में पौरोहित्य, धनुर्विद्या तथा वास्तुशास्त्र में से कोई एक (3 क्रेडिट) का चुनाव करना चाहे तो कर सकते हैं। नवें पत्र का चयन अनिवार्य नहीं है।

सप्तम पत्र संगणक अनुप्रयोग तथा अष्टम पत्र अंग्रेजी में छात्र–छात्राओं को ग्रेडिंग प्रदान की जायेगी। ग्रेड शीट पर इनके प्राप्तांकों पर आधारित ग्रेड तो अंकित होंगे, परन्तु उन्हें सी.जी.पी.ए. की गणना में सम्मिलित नहीं किया जायेगा।

संगणक को छोड़कर अन्य सभी प्रश्न पत्र में लिखित परीक्षा 75 अंक और आन्तरिक मूल्यांकन (सेमीनार, शास्त्रार्थ, अनुशासन आदि पर) 25 अंक निर्धारित होगा। संगणक अनुप्रयोग में 50 प्रतिशत लिखित और 50 प्रतिशत प्रायोगिक होगा।

परिषद् ने गहन विचार-विमर्श के अनन्तर उपर्युक्त संस्तुति पर अपनी स्वीकृति प्रदान की। साथ ही यह भी निर्णय लिया गया कि क्र.सं.-6 पर अंकित आधुनिक विषय को सहायक विषय के रूप में प्रतिस्थापित किया जाये।

कार्यक्रम संख्या -4- परीक्षा समिति की बैठक दिनांक 29.08.2022 के प्रस्ताव- 8(क/ख), प्रस्ताव- 38 एवं पूरक प्रस्ताव-44(3) में प्रस्तुत विषय पर विचार-
विद्या परिषद के समक्ष परीक्षा समिति की बैठक दिनांक 29.08.2022 में लिये गये निर्णय कि -

पूरक प्रस्ताव 44(3)/निर्णय–विश्वविद्यालय की समस्त प्रवेश परीक्षाओं तथा कर्मचारी व अध्यापक नियुक्ति/चयन के सम्बन्ध में राजभवन द्वारा सूचना मांगी गयी है कि विश्वविद्यालय के विज्ञापित पद असिस्टेन्ट प्रोफेसर/एसोसिएट प्रोफेसर/प्रोफेसर एवं पुस्तकालयाध्यक्ष/उप पुस्तकालयाध्यक्ष/सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष आदि के लिये यदि विश्वविद्यालय के किसी अध्यापक/अधिकारी/कर्मचारी एवं उसके पुत्र/पुत्री/भाई/भतीजा एवं नाते–रिश्तेदार आवेदन किये हैं तो, इसकी सूचना विश्वविद्यालय प्रशासन को अनिवार्य रूप से दी जाय अन्यथा की स्थिति में समस्त जिम्मेदारी सम्बन्धित की होगी, के प्रस्ताव पर विचार–विमर्श के अनन्तर परीक्षा समिति ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि कुलसचिव के माध्यम से एक प्रारूप निर्धारित कराकर सभी कार्यरत अध्यापकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा पूरित प्रारूप पत्र प्राप्त कर, समेकित सूची बनाकर कुलपति महोदय के समक्ष प्रस्तुत किया जाय, जिससे कुलपति कार्यालय सूची को राजभवन प्रेषित कर सके।